श्रीनगर विश्व शिल्प शहर की सूची में शामिल

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में श्रीनगर को **विश्व शिल्प परिषद (World Craft Council- WCC)** द्वारा '**विश्व शिल्प शहरों (World Craft City- WCC)**' की सूची में शामिल किया गया है, जिसमें इसकी समृद्ध शिल्प परंपराओं को मान्यता दी गई है, जिससे यह भारत का चौथा ऐसा शहर बन गया है।

- **पूरे विश्व के कुल 60 शहरों** की सूची में **जयपुर, मलप्पुरम और मैसूर** अन्य तीन भारतीय शहर हैं।

श्रीनगर के शिल्प के विषय में:

- श्रीनगर, जिसका इतिहास लगभग 1,500 वर्ष पुराना है, कला, शिल्प और व्यापार के लिये **सिल्क रूट** का एक प्रमुख केंद्र था।
- **कागज़ की लुगदी/पेपर-मैची, अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, सोज़नी कढ़ाई और पश्मीना** तथा कानी शॉल श्रीनगर के कुछ शिल्प हैं।
- यह शहर **'कश्मीरी' ब्रांड** और **पैस्ले मोटिफ** के लिये विश्व स्तर पर जाना जाता है।
- **ईरान के कारीगरों** ने पाँच शताब्दियों पहले **ज़ांजान और फिलिग्री** जैसे शिल्पों की शुरुआत की थी।
- श्रीनगर की **कालीन परंपरा 14वीं शताब्दी के अंत में सूफी संत सैय्यद अली हमदानी** के साथ शुरू हुई।
- वर्ष 2021 में श्रीनगर शहर को शिल्प और लोक कलाओं के लिये **यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क (UNESCO Creative City Network-UCCN)** के हिस्से के रूप में मान्यता दी गई थी।

विश्व शिल्प शहर कार्यक्रम (WCC):

- इसे **वर्ष 2014 में विश्व शिल्प परिषद AISBL (WCC-इंटरनेशनल)** द्वारा पूरे विश्व में शिल्प विकास में स्थानीय अधिकारियों, शिल्पकारों और समुदायों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिये शुरू किया गया था।
- WCC-इंटरनेशनल की स्थापना वर्ष 1964 में हुई थी और **श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय** संस्थापक सदस्यों में से एक थीं और उन्होंने प्रथम WCC आम सभा में भाग लिया था।
  - श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय ने भारत की शिल्प विरासत को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिये वर्ष 1964 में भारतीय शिल्प परिषद की स्थापना की।
- **कश्मीर के 7 शिल्पों - कानी शॉल, पश्मीना, सोज़नी, पेपर-मैची, अखरोट की लकड़ी की नक्काशी, खतमबंद और हाथ से बुने कालीनों** को **भौगोलिक संकेत (GI)** प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

और पढ़ें: श्रीनगर: यूनेस्को रचनात्मक शहरों का नेटवर्क

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/srinagar-added-in-world-craft-city-list